प्रागैतिहासिक कालीन मानव की विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डालें

प्रागैतिहासिक काल वह समय था जब मनुष्य ने लेखनकला का आविष्कार नहीं किया था। इस काल की जानकारी हमें पुरातात्त्विक अवशेषों — जैसे औज़ार, गुफाचित्र, अस्थियाँ, पत्थर के हथियार, मिट्टी के बर्तन आदि — से प्राप्त होती है।
इस काल को मुख्यतः तीन चरणों में बाँटा जाता है —

1. पाषाण युग (Stone Age)

2. धातु युग (Metal Age)

3. संक्रमण काल (Chalcolithic Period)

नीचे इन युगों के अनुसार मानव की प्रमुख गतिविधियों का विवरण दिया गया है

🪨 1. पुरापाषाण काल (Palaeolithic Age)

समय: लगभग 25 लाख वर्ष पूर्व से 10,000 ई.पू. तक

मुख्य गतिविधियाँ:

शिकार और भोजन-संग्रह:
मानव शिकारी-संग्राहक था। वह जानवरों का शिकार करता, फल, जड़ें और बीज एकत्र करता था।

औज़ारों का निर्माण:
उसने पत्थर, हड्डी और लकड़ी से औज़ार बनाए — जैसे हस्तकुठार, स्क्रेपर, भाला आदि।

गुफाओं में निवास:
ठंड और जंगली जानवरों से बचाव के लिए गुफाओं या झोपड़ियों में रहता था।

आग का उपयोग:
आग की खोज ने जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया — भोजन पकाना, गर्मी पाना और सुरक्षा हेतु।

कलात्मक प्रवृत्ति:
भीमबेटका जैसी गुफाओं में पाए जाने वाले चित्र उसके कलात्मक और धार्मिक भावों का प्रमाण हैं।

---

2. मध्यपाषाण काल (Mesolithic Age)

समय: लगभग 10,000 ई.पू. से 8,000 ई.पू. तक

मुख्य गतिविधियाँ:

सूक्ष्म औज़ारों (Microliths) का प्रयोग शुरू हुआ।

शिकार और मछली पकड़ना:
उसने धनुष-बाण का प्रयोग आरंभ किया।

पशुपालन की शुरुआत:
कुछ पशुओं को पालतू बनाना शुरू किया गया, जैसे कुत्ता और बकरी।

अर्ध-स्थायी निवास:
जल स्रोतों के समीप झोपड़ियाँ बनाकर रहना आरंभ किया।

धार्मिक आस्था:
मृतकों के साथ दफनाए गए वस्त्र और औज़ार बताते हैं कि उसने मृत्यु के बाद जीवन की कल्पना की।

---

3. नवपाषाण काल (Neolithic Age)

समय: लगभग 8,000 ई.पू. से 3,000 ई.पू. तक

मुख्य गतिविधियाँ:

कृषि का विकास:
मनुष्य ने खेती करना सीखा; गेहूँ, जौ आदि की फसलें बोईं।

पशुपालन:
गाय, भेड़, बकरी और बैल जैसे पशुओं को पालतू बनाया।

स्थायी निवास:
मिट्टी और लकड़ी के घर बनाकर स्थायी बस्तियाँ बसाईं (मेहरगढ़ इसका उदाहरण है)।

मिट्टी के बर्तनों का निर्माण:
बर्तनों में अन्न संग्रह और पकाने की प्रथा विकसित हुई।

बुनाई और कपड़ा निर्माण:
कपास और ऊन से वस्त्र बनाना आरंभ किया गया।

सामाजिक संगठन:
परिवार, ग्राम और सामाजिक व्यवस्था का उदय हुआ।

---

4. ताम्र-पाषाण या धातु युग (Chalcolithic Age)

समय: लगभग 3,000 ई.पू. के बाद

मुख्य गतिविधियाँ:

धातुओं का उपयोग:
तांबा और कांसा प्रयोग में आने लगा।

कृषि, पशुपालन और व्यापार:
उत्पादन बढ़ने से वस्तु-विनिमय और व्यापार की शुरुआत हुई।

ग्राम और नगर सभ्यता:
प्रारंभिक नगरीकरण के संकेत मिलने लगे — जैसे हड़प्पा सभ्यता में।

निष्कर्ष:

प्रागैतिहासिक कालीन मानव की गतिविधियाँ भोजन-संग्रह से लेकर कृषि और बस्तियों के निर्माण तक धीरे-धीरे विकसित होती रहीं। यह काल मानव सभ्यता की प्रारंभिक विकास यात्रा का प्रतीक है — जहाँ उसने प्रकृति पर नियंत्रण पाना सीखा और सामाजिक जीवन की नींव रखी।